पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा

रोज-रोज गोरा शंकर को दे रही ताना,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा....

ना भोले बाबा के महल अटारी,
महल अटारी हां महल अटारी,
पर्वत पहाड़ों से मोहे डर लागा,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा....

ना भोले बाबा के घर परिवारा,
घर परिवारा ना घर परिवारा,
भूत और प्रेतौ से मोहे डर लगा,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा....

नाम भोले बाबा के गैया और बछड़ा,
गैया और बछड़ा हां गैया और बछड़ा,,
नंदी और बैलों से मोहे डर लागा,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा....

ना भोले बाबा के गद्दा गलीचा,
गद्दा गलीचा हां गद्दा गलीचा,
कुश की चटाई से मेरा दिल भागा,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा.....

ना भोले बाबा के घोड़ा और गाड़ी,
घोड़ा और गाड़ी हां घोड़ा और गाड़ी,
चलत चलत पैरों में पढ़ा छाला,
पीहर चली जाऊंगी ओ भोले बाबा....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27734/title/pihar-chali-jaungi-oh-bhole-baba

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |